सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, बुधवार, 14 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 137, पृष्ठः 8+4

सीबीएसई रिजल्ट

यूपी में कनेक्टिविटी को नया आधार देगा उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर

इनसाइड बिल्हौर में डकैती डालने से पहले अलीगढ़ में रिहर्सल... » Pg03

» Pg12

शोपियां में हथियारों का जखीरा बरामद, लश्कर के 3 आतंकी ढेर

जम्मू। शोपियां में मुठभेड़ में लश्कर के शीर्ष कमांडर शाहिद कुट्टे समेत तीन आतंकी ढेर हुए थे। आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद हुआ है। इसमें एके 47 राइफलें, मैगजीन, ग्रेनेड और अन्य सामान शामिल है।

दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के केलर के शुकरू वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के तीन आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं। 13 मई को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के केलर के शुकरू वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई की थी। सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के तीन आतंकवादी मारे गए थे। ऑपरेशन में आज भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं।

लश्कर के शीर्ष कमांडर शाहिद कुट्टे सहित तीन आतंकी ढेर : सीमा पर गोलाबारी थमते ही सुरक्षाबलों ने घर में छिपे बैठे आतंकियों का सफाया शुरू कर दिया है। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलवार सुबह आठ बजे आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें लश्कर-ए-ताइबा के शीर्ष कमांडर शाहिद कुट्टे और अदनान शफी समेत तीन आतंकी मारे गए।

तीसरे आतंकी की शिनाख्त अहसान-उल हक शेक निवासी मुरन (पुलवामा) के रूप में हुई है। आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद हुआ है। इसमें एके 47 राइफलें, मैगजीन, ग्रेनेड और अन्य सामान शामिल है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह शोपियां जिले के शुकरू केलर इलाके के जंगलों में आतंकवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्राप (एसओजी), सेना की 20 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और सीआरपीएफके जवान हरकत में आ गए। फौरन घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। घेरा सख्त होता देख आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने मुहतोड़ जवाब दिया। साथ ही तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। ढेर किए गए तीनों आतंकवादी लश्कर-ए-ताइबा के थे। दो की पहचान शाहिद कुट्टे और अदनान शफी के रूप में हुई है। तीसरे की शिनाख्त कराई जा रही है।

शुकरू वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई की थी। सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के तीन आतंकवादी मारे गए थे।

पिछले साल ही लश्कर में शामिल हुआ था शफी : शोपियां के वंडुना मेलहोरा इलाके का निवासी अदनान शफी अक्तूबर, 2024 में लश्कर में शामिल हुआ था। वह सी-कैटेगरी का आतंकवादी था। शफी 18 अक्तूबर, 2024 को शोपियां के वची में गैर-स्थानीय मजदूर की हत्या में शामिल था। वहीं, पुलवामा जिले के मुरन का निवासी अहसान उल हक शेक सी-कैटेगरी का आतंकी था और 24 जून, 2023 में आतंकवादी बना था।पहले घर, फिर आतंकियों को मिट्टी में मिलाया बायसरन में 22 अप्रैल को पयर्टकों की हत्या के बाद सुरक्षाबलों ने आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया था। कई आतंकियों और उनके मददगारों के घर मिट्टी में मिला दिए गए थे।

लश्कर का शीर्ष कमांडर और ए कैटेगरी का आतंकी था कुट्टे

दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलबार सुबह मुठभेड़ में मारा गया आतंकी शाहिद कुट्टे शोपियां के चोटीपोरा हीरपोरा इलाके का निवासी था। कुट्टे मार्च 2023 में लश्कर-ए-ताइबा में शामिल हुआ था। वह लश्कर का ए-कैटेगरी का आतंकवादी था और संगठन का शीर्ष कमांडर था। कुट्टे कई घटनाओं और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल था। आठ अप्रैल, 2024 को दानिश रिसॉर्ट में गोलीबारी की घटना में शामिल था। इस आतंकी हमले में जर्मनी के दो पर्यटक और एक ड्राइवर घायल हो गए थे। 18 मई, 2024 को हीरपोरा में भाजपा सरपंच की हत्या में भी कुट्टे शामिल रहा। उस पर तीन फरवरी, 2025 को बीहिबाग, कुलगाम में टीए (टेरिटोरियल आर्मी) के जवान की हत्या में शामिल होने का संदेह था।

टेस्ट से संन्यास के बाद केंद्रीय अनुबंध में घटेगा रोहित-कोहली का ग्रेड?

भारतीय टीम अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद ऐसी चर्चा चल रही थी कि केंद्रीय अनुबंध में इन दोनों खिलाड़ियों का ग्रेड घटेगा या नहीं? अब इसे लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जानकारी दी है। रोहित और कोहली लंबे समय तक भारतीय टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और उन्हें हाल ही में जारी बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध में ए प्लस वर्ग में रखा गया था। सैकिया ने कहा, भले ही रोहित और कोहली ने टी-20 के बाद टेस्ट से भी संन्यास का एलान कर दिया है, लेकिन वे अभी भी भारतीय क्रिकेट का हिस्सा हैं, इसलिए इन दोनों को केंद्रीय अनुबंध के ग्रेड ए प्लस की सुविधा मिलती रहेगी।

ग्रेड ए+ में शामिल खिलाड़ियों को मिलते हैं सालाना सात करोड़ रुपये : बीसीसीआई ए+ ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को सालाना सात करोड़ देता है, जबकि ए ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को पांच करोड़, बी ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को तीन करोड़ और सी ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपये देता है। बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध की सूची में उन्हीं खिलाड़ियों को जगह मिलती है जो एक साल के अंदर कम से कम तीन टेस्ट, आठ वनडे या 10 टी20 मैच जरूर खेले हों।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बैकफुट पर पाकिस्तान

21 दिन तक पाक में बंधक होने के बाद भारत लौटे बीएसएफ जवान पूर्णम

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अगले ही दिन गलती से बॉर्डर पार कर गए थे। बीएसएफ कॉन्स्टेबल 21 दिन तक पाकिस्तान में बंधक रहे। भारत के साथ संघर्ष में मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान को उन्हें छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। पाकिस्तान ने बुधवार को पंजाब में अटारी-वाघा सीमा के रास्ते 23 अप्रैल को पकड़े गए बीएसएफजवान पूर्णम कुमार शॉ को भारत को सौंप दिया। कॉन्स्टेबल को पाकिस्तान रेंजर्स ने सुबह 10:30 बजे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दिया गया। बीएसएफके प्रवक्ता ने बताया कि यह कारवाई शांतिपूर्ण तरीके से और स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार की गई। जवान की पहचान 182वीं बीएसएफ बटालियन के कॉन्स्टेबल पूर्णम कुमार शॉ के रूप में हुई थी। वह भारत-पाकिस्तान सीमा के पास खेत के पास ड्यूटी पर थे। नियमित गतिविधि के दौरान वे अनजाने में भारतीय सीमा की बाड़ को पार कर पाकिस्तानी क्षेत्र में चले गए थे, जहां उन्हें पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था।

पूर्णम की वापसी से पत्नी की खुशी का ठिकाना न रहा।

पूर्णम की वापसी से परिवार का इंतजार हुआ पूरा

“

22 दिन बाद जब मैंने उन्हें वीडियो कॉल पर देखा, तो पहले तो मैं उनको पहचान ही नहीं पाई क्योंकि उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी। उन्होंने कहा कि फिक्र नहीं करो, मैं बिल्कुल ठीक हूं, मेरी मेडिकल भी हो गया हूं। उन्होंने कहा कि मैं खाना खाकर तीन बजे आपको कॉल करूंगा. जब वो घर पर आएंगे तो, जो भी उनके फेवरेट फूड्स हैं, मैं उनको खिलाऊंगी।

रजनी, *पूर्णम शॉ की पत्नी*

गंगा नदी पर प्रस्तावित पुल के लिए मिली वित्तीय मंजूरी

» कानपुर नगर से शुक्लागंज/उन्नाव को जोड़ने वाले 4 लेन के प्रस्तावित पुल से मिलेगी लाखों को राहत

» पुराना पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद योगी सरकार ने दी मंजूरी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश शासन ने राज्य योजना (शहरी) के अंतर्गत वर्ष 2025-2026 में जनपद कानपुर नगर से शुक्लागंज/उन्नाव को जोड़ने वाले प्रस्तावित पुल के लिए पहुंच मार्ग निर्माण को वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है।

यह मार्ग गंगा नदी पर लगभग 50.00 मीटर अपस्ट्रीम में प्रस्तावित नए सेतु से जुड़ा होगा, जिससे कानपुर नगर और उन्नाव के बीच सीधा व सुविधाजनक संपर्क स्थापित हो सकेगा।

इस संबंध में प्रमुख अभियंता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग को पत्र संख्या 190/2025/1155/23-6099/96/2025, दिनांक 13 मई 2025 के माध्यम से अवगत कराया गया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है इस परियोजना के अंतर्गत सेतु से जुड़ने वाले संपर्क मार्ग के निर्माण की कुल अनुमानित लागत 23525.63 लाख निर्धारित की गई है। शासन ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 में ?8233.97 लाख की राशि व्यय करने की अनुमति दी है, जिसमें ?6487.54 लाख अनुबन्ध मद-57 से और 1746.43 लाख अनुबन्ध मद-83 से खर्च किया जाएगा।

यह कार्य उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम द्वारा निष्पादित किया जाएगा। शासनादेश में स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए हैं कि कार्य योजना को विधिवत रूप से विभागीय वित्तीय एवं तकनीकी अनुमोदन प्राप्त कर ही क्रियान्वित किया जाएगा।

कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु सभी तकनीकी मानकों का पूर्ण पालन किया जाना अनिवार्य होगा।

इसके अतिरिक्त, शासनादेश में यह भी कहा गया है कि कार्य प्रारंभ करने से पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत वित्तीय स्वीकृति एवं प्राक्कलन आदि की स्वीकृति प्राप्त की जाए। निर्माण कार्य समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो, यह जिम्मेदारी संबंधित कार्यदायी संस्था की होगी। गौरतलब है कि यह परियोजना कानपुर नगर एवं उन्नाव के बीच यातायात को सहज बनाने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। इससे क्षेत्रीय विकास को गति मिलने के साथ ही नागरिकों को आवागमन में सुविधा प्राप्त होगी। यह पुल गंगा नदी पर नई कड़ी के रूप में कार्य करेगा और शहरी संपर्क को सुदृढ़ बनाएगा।

कानपुर में यह पुराना गंगा पुल बीते माह टूट गया था

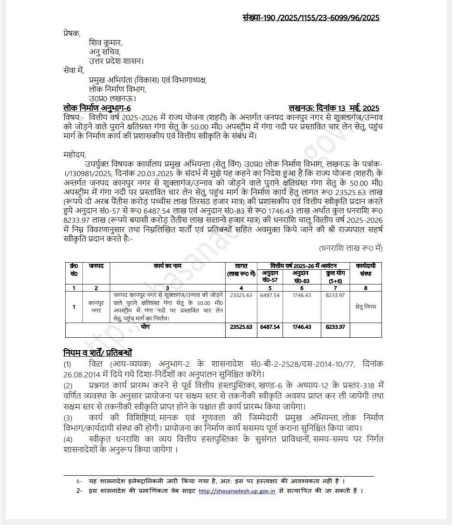

संख्या-190 /2025/1155/23-6099/96/2025

प्रेषक,
शिव कुमार,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,
प्रमुख अभियंता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष,
लोक निर्माण विभाग,
उ0प्र0 लखनऊ।

लोक निर्माण अनुभाग-6 लखनऊ: दिनांक 13 मई, 2025

विषयः- वित्तीय वर्ष 2025-2026 में राज्य योजना (शहरी) के अन्तर्गत जनपद कानपुर नगर से शुक्लागंज/उन्नाव को जोड़ने वाले पुराने क्षतिग्रस्त गंगा सेतु के 50.00 मी0 अपस्ट्रीम में गंगा नदी पर प्रस्तावित चार लेन सेतु, पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,
उपर्युक्त विषयक कार्यालय प्रमुख अभियन्ता (सेतु विंग) उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग, लखनऊ के पत्रांक-I/130981/2025, दिनांक 20.03.2025 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य योजना (शहरी) के अन्तर्गत जनपद कानपुर नगर से शुक्लागंज/उन्नाव को जोड़ने वाले पुराने क्षतिग्रस्त गंगा सेतु के 50.00 मी0 अपस्ट्रीम में गंगा नदी पर प्रस्तावित चार लेन सेतु, पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य हेतु लागत रू0 23525.63 लाख (रूपये दो अरब पैंतीस करोड़ पच्चीस लाख तिरसठ हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये अनुदान सं0-57 से रू0 6487.54 लाख एवं अनुदान सं0-83 से रू0 1746.43 लाख अर्थात कुल धनराशि रू0 8233.97 लाख (रूपये बयासी करोड़ तैंतीस लाख सत्तान्वे हजार मात्र) की धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2025-2026 में निम्न विवरणानुसार तथा निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों सहित अवमुक्त किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैः-

(धनराशि लाख रू0 में)

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में)	वित्तीय वर्ष 2025-26 में आवंटन अनुदान सं0-57	अनुदान सं0-83	कुल योग (5+6)	कार्यदायी संस्था
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कानपुर नगर	जनपद कानपुर नगर से शुक्लागंज/उन्नाव को जोड़ने वाले पुराने क्षतिग्रस्त गंगा सेतु के 50.00 मी0 अपस्ट्रीम में गंगा नदी पर प्रस्तावित चार लेन सेतु, पहुंच मार्ग का निर्माण।	23525.63	6487.54	1746.43	8233.97	सेतु निगम
		योग	23525.63	6487.54	1746.43	8233.97	

नियम व शर्तें/ प्रतिबन्धों

(1) वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2 के शासनादेश सं0-बी-2-2528/दस-2014-10/77, दिनांक 26.08.2014 में दिये गये दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।
(2) प्रश्नगत कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, खण्ड-6 के अध्याय-12 के प्रस्तर-318 में वर्णित व्यवस्था के अनुसार प्रायोजना पर सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जायेगी तथा सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
(3) कार्य की विशिष्टियां, मानक एवं गुणवत्ता की जिम्मेदारी प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग/कार्यदायी संस्था की होगी। प्रायोजना का निर्माण कार्य ससमय पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।
(4) स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्राविधानों, समय-समय पर निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

बिल्हौर को जिला बनाने की सियाराम कठेरिया की लड़ाई जारी

» कानपुर महानगर से अलग कर जिला बनाने की चल रही अरसे से मांग

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर को जिला बनाने एवं कई मांगों को लेकर भाजपा क्रांति परिषद के सदस्य सियाराम कठेरिया की लड़ाई अभी भी जारी है। मंगलवार को वह व्यापारियों एवं अधिवक्ताओं के साथ बिल्हौर उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुँचे।

बिल्हौर को जिला बनाने समय कई मांगों को लेकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम बिल्हौर रश्मि लांबा को सौंपा। इस दौरान द लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण कटियार, इकबाल, महेंद्र प्रताप समेत कई लोग मौजूद रहे। सियाराम दास कठेरिया ने बताया कि बिल्हौर को जिला बनाने के लिए लड़ाई मरते दम तक जारी रहेगी।

एसडीएम बिल्हौर को ज्ञापन देते अधिवक्ता और समाजसेवी सियाराम

बिल्हौर में डकैती डालने से पहले अलीगढ़ में रिहर्सल

गैंग लीडर के घर अलीगढ़ में किया गया था डाका डालने का पूरा रिहर्सल

- पारिवारिक भतीजे ने रेकी कर गिरोह के संग डकैती की वारदात को दिया अंजाम
- गैंग को लीड कर रही थी बॉयकट लेडी गुनगुन चौधरी
- पुलिस ने खुलासा कर सभी को भेजा जेल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। रहीमपुर-करीमपुर गांव में हुई पांच लाख की डकैती का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा कर दिया है। गिरोह में एक बॉयकट लेडी गुनगुन चौधरी है।

जो पूरे गैंग को लीड कर रही थी। घटना का मुख्य अभियुक्त रेकी करने वाला पीड़ित परिवार का रिश्ते में भतीजा लगता है, जिसका नाम पीयूष है। डकैती की वारदात को अंजाम देने से पहले गुनगुन ने सभी को अपने घर बुलाया था और डकैती कैसे डाली जाए। इसकी देर रात तक रिहर्सल की गई थी। तय दिन और वक़्त पर रिश्तेदार बनकर गांव पहुँचे गिरोह ने दरवाजे पर दस्तक देकर तमंचे की दम पर परिवार के लोगों को बंधक बनाया और डकैती की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

पुलिस ने गैंग लीड करने वाली लेडी समेत गिरोह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाली पुलिस टीम को अधिकारियों ने बीस हजार रुपये का इनाम देने की भी घोषणा की है। गौरतलब है कि बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के रहीमपुर करीमपुर गांव में रहने वाली सोनम कटियार अपने पति विपिन कटियार की मौत के बाद बेटी पलक और सास श्यामकली के साथ रहती है। बीती पांच मई को जब वह रात में सोने की तैयारी कर रहे थे।

तभी घर के अंदर गैंग लीडर लेडी मास्टर माइंड गिरजा चौधरी उर्फ गुनगुन और उसके साथ अंकुर दाखिल हुए। पाँव छूते हुए उन्होंने बताया कि वह उनके रिश्तेदार हैं।

और तमंचा अड़ा दिया। इतने में उनके पीछे से चार अन्य बदमाश भी घुस आए। सभी ने घर की महिलाओं को बंधक बनाकर जान से मारने की धमकी दी। फिर कहा कि घर में जो भी ज्वेलरी, नगदी रखी है हमारे हवाले कर दो नहीं तो जान से मार देंगे। बदमाश सोने के नौ जोड़े बाले, छह अंगूठी, दो सोने की चेन, चांदी की चार चूड़ियां, तीन जोड़ी पायल, एक कमर पेटी, 14 चांदी के सिक्के, तीन मोबाइल और सात हजार रुपये लूट कर नौ दो ग्यारह हो गए । घबराई महिलाओं ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एडीसीपी के नेतृत्व में स्वाट टीम और थाना प्रभारी की टीम ने जाल बिछाते हुए इन सभी आरोपितों को मंगलवार को कानपुर अलीगढ़ हाईवे स्थित लालपुर अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस पर मामले का खुलासा किया। पकड़े गए आरोपितों के पास से पुलिस ने चोरी का माल भी बरामद किया है। इसके अलावा आरोपितों के पास से चोरी में प्रयुक्त कार, चाकू और दो देशी तमंचे, चार एंड्राइड मोबाइल फोन, नौ हजार आठ सौ रूपये भी बरामद किए हैं।

गिरफ्तार करने वाली टीम में बिल्हौर कोतवाल अशोक कुमार सरोज, स्वाट टीम के निरीक्षक सतीश यादव समेत दो दर्जन पुलिस कर्मी रहे।

कर्ज को चुकाने के लिए डलवाई डकैती

बिल्हौर। पुलिस की पूछताछ में मुख्य आरोपी भतीजे पीयूष ने बताया कि वह कर्ज में डूबा है। उस पर काफी कर्ज हो गया था। नोएडा में एक नमकीन बनाने वाली कंपनी में वह नौकरी करता था। यहीं पर उसकी मुलाकात गुनगुन चौधरी से हुई। गुनगुन चौधरी का गिरोह कई राज्यों में डकैती डाल चुका है। कर्ज को खत्म करने के लिए पीयूष भी उसके गिरोह में शामिल हुआ।और गलत रास्ते पर चलने लगा। पीयूष के कहने पर गिरोह की लीडर लेडी व सदस्य ने उसकी चाची सोनम को गांव आकर निशाना बनाया।लेकिन बिल्हौर पुलिस से बच नहीं पाए

पकड़े गए शातिर बदमाश

बिल्हौर। पकड़े गए शातिर बदमाशों में गैंग लीडर गिरिजा उर्फ गुनगुन पुरैनी इस्माइलपुर थाना छर्रा अलीगढ़, मुख्य आरोपी पीड़ित का भतीजा पीयूष कटियार रहीमपुर करीमपुर थाना बिल्हौर ,राजा उर्फ़ यशपाल चिरौली थाना रामघाट जनपद बुलंदशहर,अंकुर उर्फ प्रवीण नंगला लन्ही थाना जसवंत नगर इटावा,रिंकू यादव उर्फ चीता बागी नंगला रामघाट बुलंदशहर,राजू यादव उर्फ रविंद्र नंगला खग्गू थाना गंगीरी अलीगढ़ को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

हेयर ट्रांसप्लांट में विनीत दुबे के बाद मयंक कटियार की चली गई जान

मयंक कटियार की कहानी- दर्द में तड़पता रहा बेटा, डॉक्टर ने नहीं की मदद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। गंजापन से जूझ रहे लोगों को हेयर ट्रांसप्लांट के इलाज के नाम पर जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। कानपुर की डॉक्टर अनुष्का तिवारी पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगा है। अब तक 2 इंजीनियरों विनीत दुबे और मयंक कटिहार की जान जा चुकी है। दोनों ही मामलों में परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने इलाज में गंभीर लापरवाही की और मरीजों की हालत बिगड़ने के बावजूद सही उपचार नहीं दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक, फर्रुखाबाद के रहने वाले इंजीनियर मयंक कटिहार ने 18 नवंबर 2024 को कानपुर में डॉक्टर अनुष्का तिवारी के क्लिनिक में हेयर ट्रांसप्लांट कराया था। मयंक की मां प्रमोदिनी कटिहार और भाई कुशाग्र कटिहार ने बताया कि इलाज के बाद डॉक्टर ने मयंक को सिर्फ एक दर्द की गोली देकर घर भेज दिया। घर जाते समय मयंक को सिर में तेज दर्द हुआ। घर पहुंचते ही उसकी हालत और खराब हो गई - चेहरा सूज गया, आंखें बाहर निकलने जैसी हो गईं। मयंक और उसके परिवार ने बार-बार डॉक्टर से संपर्क किया, लेकिन हर बार डॉक्टर ने कहा कि सब ठीक है और घबराने की जरूरत नहीं है। बताया जा रहा है कि जब मयंक की हालत और खराब हुई तो डॉक्टर ने कहा कि किसी कार्डियोलॉजिस्ट को दिखा दो। जब कार्डियोलॉजिस्ट ने बताया कि मयंक को दिल से जुड़ी कोई बीमारी नहीं है, तब डॉक्टर ने उसे दोबारा अपने पास लाने को कहा। लेकिन सुबह 19 नवंबर को मयंक की मौत हो गई। मां प्रमोदिनी ने रोते हुए कहा कि मेरा बेटा कहता रहा कि बहुत दर्द हो रहा है, लेकिन डॉक्टर ने उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। उसने हमारे नंबर भी ब्लॉक कर दिए और फोन बंद कर दिया।

विनीत दुबे की मौत- 56 दिन तक भटके परिजन, मुख्यमंत्री पोर्टल से दर्ज हुई एफआईआर

इससे पहले 15 मार्च 2025 को पनकी पावर हाउस में तैनात इंजीनियर विनीत दुबे ने भी डॉक्टर अनुष्का से हेयर ट्रांसप्लांट करवाया था। इलाज के बाद विनीत की तबीयत बिगड़ती गई और इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि उन्होंने 56 दिनों तक एफआईआर दर्ज कराने के लिए थानों और अधिकारियों के चक्कर लगाए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। आखिरकार मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करने के बाद रावतपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई।

अब मयंक का परिवार भी मांगेगा न्याय

मयंक के भाई कुशाग्र कटिहार ने बताया कि वे बुधवार को एसीपी अभिषेक पांडे से मिलेंगे, जो पहले से ही विनीत दुबे केस की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम भी डॉक्टर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराएंगे ताकि और किसी की जान इस लापरवाही की वजह से न जाए। मयंक की मौत के वक्त पोस्टमार्टम नहीं कराया गया था, इसलिए तब रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई थी। लेकिन जब विनीत का मामला सामने आया और डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर हुई, तब मयंक का परिवार भी सामने आया और न्याय की मांग करने लगा।

क्या कहता है कानून..?

अगर इलाज में लापरवाही से किसी की मौत होती है, तो संबंधित डॉक्टर के खिलाफ ढ्ढक्कष्ट की धारा 304 (लापरवाही से मौत) के तहत मामला दर्ज हो सकता है। इसके लिए मेडिकल काउंसिल से भी डॉक्टर के लाइसेंस की जांच हो सकती है।

परिजनों की मांग

डॉक्टर अनुष्का तिवारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो।

क्लिनिक की जांच की जाए।

भविष्य में किसी और मरीज के साथ ऐसा न हो, इसके लिए मेडिकल गाइडलाइंस सख्ती से लागू की जाएं।

गल्ला मंडी में लगी भीषण आग

» 50 से ज्यादा दुकानें खाक, आधा दर्जन लोग घायल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले की पुरानी 'गल्ला मंडी' में मंगलवार को लगी भीषण आग में 50 से अधिक दुकानें व करीब तीन दर्जन वाहन जलकर खाक हो गए और आधा दर्जन लोग झुलस गये। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) दीपक शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि पुरानी 'गल्ला मंडी' में संदिग्ध रूप से तारपीन के तेल की दुकान में शॉर्ट-सर्किट होने या ई रिक्शा की बैटरी में विस्फोट की वजह से भीषण आग लग गई।

उन्होंने बताया कि देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और 50 से ज्यादा दुकानें उसकी चपेट में आ गई। अधिकारी ने बताया कि आग की चपेट में आने से तकरीबन तीन दर्जन वाहन भी खाक हो गए। अग्निशमन विभाग के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि आग के कारण कई रसोई गैस सिलेंडरों में विस्फोट हुए, जिससे करीब आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से झुलस गए।उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन प्रारंभिक जांच में संदेह जताया गया है कि तारपीन के तेल की दुकान में शॉर्ट सर्किट या ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट की वजह से आग लगी। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि आग के कारण का पता लगाने और नुकसान का आकलन करने के लिए घटना की गहन जांच करने के आदेश दिये गए हैं।स्थानीय लोगों ने बताया कि पड़ोसियों ने अपराह्न करीब तीन बजे दुकानों से भीषण आग की लपटें और घना धुआं निकलते देखा। उन्होंने बताया कि तेज हवा के कारण आग तेजी से आस-पास की दुकानों और अन्य ढांचों तक फैल गयी। एक अधिकारी ने बताया कि भीषण आग की सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया, जिन्होंने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

सम्पादकीय

कहा पश्चिम के दबाव में आतंक को सींचा

पाक पोषित आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिए गए पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले ने पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब कर दिया है। भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि पाकिस्तान ये काली करतूतें डॉलर की भूख मिटाने के लिये कर रहा था। साथ ही वह दुनिया के इस्लामी देशों का नेतृत्व हासिल करने के लिये इस कट्टरपंथ की फसल सींच रहा था। उसने पूरी दुनिया को दहलाने के लिये अपने आतंकी निर्यात किए। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों ने इसे अनदेखा ही किया।निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है। पुलवामा हमले के बाद भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से स्पष्ट है कि वैश्विक व्यवस्था के प्रति पाक की क्या सोच है। इससे भी शर्मनाक घटना ब्रिटेन में सामने आई, जहां पाक उच्चायोग के सामने प्रदर्शन करने वाले भारतीयों को एक पाकिस्तान राजनयिक गला काटने का इशारा करता सूचना माध्यमों में नजर आया। उक्त राजनयिक पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा सलाहकार के रूप में तैनात है। निश्चय ही यह राजनयिक स्तर पर एक शर्मनाक घटना है। साथ ही बताती है कि कैसे पाक सेना के उच्चाधिकारी एक जिहादी संगठन के सदस्य जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इससे पाकिस्तानियों में भारतीयों के प्रति भरी घृणा ही उजागर होती है। भारत को इन तमाम मामलों को वैश्विक मंच पर उठाकर पाक पर कार्रवाई के लिये दबाव बनाना चाहिए। दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया।

कश्मीरियों को नहीं पसंद पाकिस्तानियों का दखल

ज्योति मल्होत्रा

शायद हमारे इस स्याह काल की सतह पर तैरता एकमात्र हीरा है, करतारपुर साहिब गुरुद्वारे तक जाने वाल गलियारा, जो अभी भी खुला है।

पहलगाम में गत सप्ताह जिस तरह मौत का तांडव मचा, जब आतंकवादियों ने पहचान के आधार पर छांट-छांट कर सैलानियों को गोलियों का शिकार बनाया, उससे किसी सख्त से सख्त दिल तक की रीढ़ में सिहरन दौड़ जाए। इन पर्यटकों में अधिकांश भारत के छोटे शहर जैसे कि शिवमोगा, पनवेल, विशाखापट्टनम, नेल्लोर, थाणे, करनाल, हैदराबाद, भावनगर, लोअर सुबानगिरी के ताजांग गांव, कोझीकोड जैसी जगहों से कश्मीर घूमने आए थे। जन्म से ही हमें बताया जाता है कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत एक है।

अगर 2008 के मुंबई हमलों का उद्देश्य भारत के वित्तीय राजधानी को पंगु करना और इस तरह भारत को अपने घुटनों पर लाना था, तो बैसरन के अपराधियों का संदेश और भी स्पष्ट है कि मुस्लिम बहुल कश्मीर को सामान्य बनाने की कोशिश न की जाए, जो कि 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' का हृदयस्थल है और यह फलसफा जितना जायज विभाजन के वक्त था, उतना ही आज भी है। हिंदू और मुसलमान अलग-अलग हैं और उन्हें पृथक ही रहना होगा।इसलिए एक पल के लिए भी यह मत सोचिएगा कि कन्नड़, मलयाली, महाराष्ट्रीयन, गुजराती और हरियाणवी कश्मीर के मैदानों में मनमाफिक विचरेंगे और झूठमूठ मान लेंगे कि वे स्विट्ज़रलैंड में सैर कर रहे हैं- हालांकि मानने की बात कि यह इलाका स्विट्ज़रलैंड से कहीं ज्यादा खूबसूरत है- सिर्फ इसलिए कि मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिया है और इसके वर्तमान को नया स्वरूप प्रदान करना चाहती है।लेकिन अगर आप इस बारे में विचार करें, तो बैसरन का संदेश वास्तव में काफी अलग है। जिस तरह से कश्मीरी लोग इस नृशंस नरसंहार की निंदा करने के लिए उठ खड़े हुए हैं, उमर अब्दुल्ला से लेकर टट्टू की सवारी करवाकर रोजी-रोटी कमाने वाले सैयद आदिल हुसैन शाह के परिवार तक, जिसने एक आतंकवादी के हाथ से बंदूक छीनने की कोशिश की और आतंकी ने उसे मार डाला। इससे यह स्पष्ट संदेश गया कि हफ्ते का दिन कोई भी हो, कश्मीरी आवाम अलगाववाद के प्रयोजन को बढ़ावा देने वाले ढोंगियों की बजाय शांति बनाए रखने को तरजीह देना चाहता है।

जब से समूची मुस्लिम बहुल घाटी में 'आज़ादी' के नारे गूंजने के बाद कश्मीरी पंडितों का पलायन हुआ था और बाद के तमाम सालों में विद्रोही गतिविधियां जारी रहीं, 35 वर्षों में यह पहली बार है जब कश्मीर के मुसलमान एक बार फिर से तथाकथित 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' के मलबे पर थूक रहे हैं। सबसे पहले उन्होंने यह 1947 में किया था, जिसने घुसपैठिए भेजने वाला नव-स्वतंत्र पाकिस्तान को नाराज़ कर डाला। फिर भारतीय सेना को कारगिल की चोटियों पर काबिज हुए घुसपैठियों की पहली सूचना देकर उन्होंने 1999 में भी यही किया। आज फिर से वही कर रहे हैं।

यह सच है कि 2019 में अनुच्छेद-370 को बहुत ही असहज तरीके से हटाया गया, जिसके कारण बहुत लोगों को कर्फ्यू के कारण लंबे समय तक अपने ही घरों में कैद रहना पड़ा था। साथ ही, संवैधानिक रूप से गारंटी के रूप में प्रदत्त उनके अधिकारों का हनन का आक्षेप है।

समग्र नीति अपनाने से ही समस्या का समाधान

फसल अवशेषों का निस्तारण

सुरेश सेठ

देश में बढ़ रहे प्रदूषण में फसलों के अवशेष ?जलाने की भूमिका एक सीमा तक ही है, जबकि तमाम अन्य कारण हमारी जीवनशैली की विसंगतियों से पैदा होते हैं। शासन-प्रशासन बड़े-बड़े दावे करके अपनी पीठ तो थपथपाता है, लेकिन योजनाएं जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं।

मौसम के बदलाव के साथ देश की राजधानी में वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर हो जाती है, जिससे घुटन और संत्रास का माहौल बन जाता है। इसका एक कारण खेतों में गेहूं की कटाई के बाद बची पराली को जलाना है। इस प्रक्रिया में निकलने वाला धुआं और घुटन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

पंजाब और हरियाणा के विशेषज्ञों का कहना है कि फसलों के अवशेष जलाना केवल प्रदूषण का एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि बढ़ती हुई अराजक यांत्रिकता ने भी महानगरों का जीवन विषाक्त और घुटन भरा बना दिया है। इस यांत्रिकता से निपटने के लिए विस्तृत रणनीतियों की आवश्यकता है। असल में, पंजाब और हरियाणा के सीमांत किसान के पास फसल चक्र के चलते कृषि अवशेषों को नष्ट करने का समय नहीं होता। वे न तो निस्तारण के लिए मशीनें खरीदने के लिए तैयार होते हैं, न ही मशीनों को किराए पर लेने की उत्सुकता दिखाते हैं। किसान के लिए सबसे आसान तरीका यह होता है कि फसल के अवशेष जलाकर समय बचाया जाए। इन दिनों पंजाब-

हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में अ ?वशेष जलाने के दृश्य आम हैं। किसान इसे सुविधाजनक पाता है और अतिरिक्त खर्च से बचता है। अब सवाल यह है कि इस समस्या का स्थायी समाधान क्या होगा।बैसाखी के बाद, जब गेहूं की फसल काटी जाती है, तो खेतों में बची नाड़ को निपटाने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस बार पंजाब सरकार ने फसलों के अवशेष जलाने पर पूरी तरह से अंकुश लगाने का संकल्प लिया है। इस उद्देश्य के लिए 500 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार की गई है, और पिछले साल से अधिक प्रभावी नाड़ जलाने पर नियंत्रण के अभियान चलाए जाएंगे। अब किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन मशीनें अधिक सब्सिडी पर उपलब्ध करवाई जाएंगी और फसल अवशेष प्रबंधन के उचित उपाय किए जाएंगे। इसके तहत सीमांत किसानों के लिए नाड़ प्रबंधन मशीनों को किराए पर उपलब्ध कराया जाएगा। जो किसान इन मशीनों को खरीदना चाहें, उन्हें भारी सब्सिडी दी जाएगी। व्यक्तिगत रूप से किसानों को इन मशीनों की खरीद पर 50 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी, जबकि सहकारी समितियों और ग्राम पंचायतों को 80 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी।यह पहल पंजाब सरकार द्वारा प्रदूषण नियंत्रण और कृषि क्षेत्र में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे किसान भी अपनी समस्याओं का समाधान कर सकेंगे और पर्यावरण पर होने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सकेगा।पंजाब के कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले साल फसल अवशेष प्रबंधन अभियान काफी सफल रहा, जिसमें 70 प्रतिशत सफलता हासिल की गई। हालांकि, यह सफलता पिछले वर्षों की तुलना में काफी बेहतर थी, लेकिन अवशेष जलाने को गंभीर अपराध न मानने के कारण इसे पूरी तरह से रोकने में सफलता नहीं मिली। कृषि विभाग का कहना है कि ?खेतों में अवशेष जलाने के मामलों में कड़ी कार्रवाई की जरूरत है।

प्रेम के नाम पर छला, रचाई शादी, फिर करोड़ों की संपत्ति हड़पकर फरार

शिवांक अग्निहोत्री/ स्वराज इंडिया

कानपुर। पनकी थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता पिंकी उर्फ श्री ने अपने साथ हुए धोखे और शोषण की दर्दनाक कहानी पुलिस को बताई है। उसने बताया कि पवन सिंह नामक युवक से उसकी दोस्ती आपसी सहमति से हुई थी। पवन ने यह भरोसा दिलाया कि वह अपने परिवार की सहमति से जल्द शादी करेगा। इसी वादे के साथ दोनों पिछले सात वर्षों से पति-पत्नी की तरह साथ रह रहे थे और उनकी एक बेटी भी है। लेकिन हर बार शादी की बात को पवन टालता रहा।

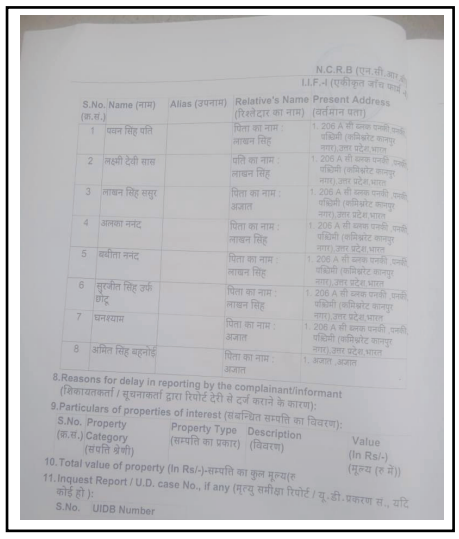

इस दौरान वह बार-बार शारीरिक संबंध बनाता और गर्भ ठहरने पर जबरन दवाएं खिलाकर गर्भपात करवा देता। पीड़िता का दावा है कि यह सिलसिला कई बार दोहराया गया। जब पीड़िता के पिता ने करोड़ों की संपत्ति उसके नाम की, तब पवन ने भावनात्मक धोखे से वह संपत्ति अपने नाम व अपने भाई के नाम करा ली। विश्वास दिलाने के बाद अगस्त 2023 में शिव मंदिर में हिन्दू रीतिरिवाज से शादी भी की, लेकिन जल्द ही उसका व्यवहार बदलने लगा।

N.C.R.B (एन.सी.आर.बी)
I.I.F.-I (एकीकृत जाँच फार्म-I)

S.No. (क्र.सं.)	Name (नाम)	Alias (उपनाम)	Relative's Name (रिश्तेदार का नाम)	Present Address (वर्तमान पता)
1	पवन सिंह पति		पिता का नाम : लाखन सिंह	1. 206 A सी ब्लक पनकी ,पनकी, पश्चिमी (कमिश्नरेट कानपुर नगर),उत्तर प्रदेश,भारत
2	लक्ष्मी देवी सास		पति का नाम : लाखन सिंह	1. 206 A सी ब्लक पनकी ,पनकी, पश्चिमी (कमिश्नरेट कानपुर नगर),उत्तर प्रदेश,भारत
3	लाखन सिंह ससुर		पिता का नाम : अज्ञात	1. 206 A सी ब्लक पनकी ,पनकी, पश्चिमी (कमिश्नरेट कानपुर नगर),उत्तर प्रदेश,भारत
4	अलका ननंद		पिता का नाम : लाखन सिंह	1. 206 A सी ब्लक पनकी ,पनकी, पश्चिमी (कमिश्नरेट कानपुर नगर),उत्तर प्रदेश,भारत
5	बबीता ननंद		पिता का नाम : लाखन सिंह	1. 206 A सी ब्लक पनकी ,पनकी, पश्चिमी (कमिश्नरेट कानपुर नगर),उत्तर प्रदेश,भारत
6	सुरजीत सिंह उर्फ छोटू		पिता का नाम : लाखन सिंह	1. 206 A सी ब्लक पनकी ,पनकी, पश्चिमी (कमिश्नरेट कानपुर नगर),उत्तर प्रदेश,भारत
7	घनश्याम		पिता का नाम : अज्ञात	1. 206 A सी ब्लक पनकी ,पनकी, पश्चिमी (कमिश्नरेट कानपुर नगर),उत्तर प्रदेश,भारत
8	अमित सिंह बहनोई		पिता का नाम : अज्ञात	1. अज्ञात ,अज्ञात

8.Reasons for delay in reporting by the complainant/informant (शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता द्वारा रिपोर्ट देरी से दर्ज कराने के कारण):
9.Particulars of properties of interest (संबन्धित सम्पत्ति का विवरण):

S.No. (क्र.सं.)	Property Category (संपत्ति श्रेणी)	Property Type (सम्पत्ति का प्रकार)	Description (विवरण)	Value (In Rs/-) (मूल्य (रु में))

10.Total value of property (In Rs/-)-सम्पत्ति का कुल मूल्य(रु
11.Inquest Report / U.D. case No., if any (मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट / यू.डी.प्रकरण सं., यदि कोई हो):
S.No. UIDB Number

» 7 साल का साथ, कराया गर्भपात झूठे वादों की बुनियाद पर टूटी जिन्दगी

पति, बहनों सहित ससुराली जनों पर मुकदमा दर्ज

पुलिसकर्मी बहन और पूरे परिवार पर उत्पीड़न व धोखाधड़ी का आरोप

शादी के बाद पवन और उसके परिवार वालों ने पीड़िता के साथ मारपीट, गाली-गलौज और मानसिक प्रताड़ना शुरू कर दी। पीड़िता ने बताया कि पवन की बहन बबीता, जो खुद पुलिस विभाग में कार्यरत है, और अन्य परिजन—अलका, सुरजीत सिंह, लक्ष्मी देवी, लाखन सिंह और बहनोई अमित सिंह—ने मिलकर उसकी स्कूटी, टैबलेट और अन्य कीमती सामान जबरन हड़प लिया। पवन उसे बहन की शादी में सिर्फ गांव ले गया और फिर गेस्ट हाउस से ही वापस कानपुर ले आया। इसके बाद वह घर छोड़कर फरार हो गया और मोबाइल नंबर भी बंद कर लिया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी खुलेआम कहता है, मैं तुझे नहीं रखूंगा, जा जो करना है कर ले, मैं पुलिस, वकील, जज सब खरीद सकता हूं। उसने यह भी कहा कि उसके परिजन उसे खुलकर समर्थन दे रहे हैं और वह अब पीड़िता से पूरी तरह पीछा छुड़ाना चाहता है। पीड़िता ने थाना पनकी में प्राथमिकी दर्ज कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बब्बर शेर को बर्ड फ्लू की आशंका

चिड़ियाघर 19 मई तक बंद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। गोरखपुर में मृतक बाघिन की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई। जानकारी मिलते ही दर्शकों से चिड़ियाघर खाली कराया गया। चिड़ियाघर प्रशासन ने संक्रमण को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए।गोरखपुर से इलाज के लिए चिड़ियाघर लाए गए बब्बर शेर (पटौदी) में बर्ड फ्लू की आशंका है। गोरखपुर में मंगलवार दोपहर मृत बाघिन (शक्ति) की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद कानपुर चिड़ियाघर प्रशासन में खलबली मच गई। इसकी सूचना मिलते ही संक्रमण फैलने के डर से चिड़ियाघर से दर्शकों को बाहर निकालकर इसे 19 मई तक बंद कर दिया गया है।

गोरखपुर चिड़ियाघर में पिछले एक माह में तेंदुआ, भेड़िया समेत तीन जानवरों की मौत हो चुकी है। वहीं, दो सप्ताह पहले बीमार हुई बाघिन शक्ति का सैंपल जांच के लिए भोपाल लैब भेजा गया था, जबकि बाघिन की भी एक सप्ताह पहले मौत हो गई थी। जांच रिपोर्ट में बाघिन में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। आशंका है कि कानपुर चिड़ियाघर में इलाज के लिए आए शेर में भी बर्ड फ्लू है। शेर की उम्र बढ़ने के साथ उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो गई है। लिवर के साथ शरीर के अन्य अंगों में भी संक्रमण फैल गया है।इंडियन वेटनेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट बरेली की टीम पटौदी का गोरखपुर में इलाज कर रही थी। टीम ने ही बेहतर इलाज के लिए कानपुर भेजने की सिफारिश की थी। रविवार देर रात शेर को चिड़ियाघर लाया गया था। सोमवार से उसने कुछ नहीं खाया। इससे उसकी हालत गंभीर होती जा रही है। मंगलवार को शेर का सैंपल जांच के लिए लैब भेजा गया है। हालांकि संक्रमण से शेर को बचाने के लिए डॉक्टरों की टीम ने इलाज शुरू कर दिया है। वहीं, अन्य जानवरों को खतरे से बचाने के लिए चिड़ियाघर बंद कर एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम दिव्या त्रिपाठी पुत्री हेम कुमार त्रिपाठी से बदलकर दिव्या त्रिवेदी कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना-पहचाना जाए।

दिव्या त्रिवेदी पत्नी पीयूष त्रिवेदी
निवासी- राम नगर मंधना
कानपुर नगर- 209217

कलेक्टरगंज मार्केट में भीषण अग्निकांड से बड़ी तबाही

100 दुकानें जलकर खाक, थिनर गोदाम से मिला एक कर्मचारी का शव

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। शहर के कलेक्टरगंज क्षेत्र की घनी आबादी और व्यावसायिक गतिविधियों से भरपूर गल्ला मंडी मंगलवार दोपहर उस वक्त दहशत में आ गई जब अचानक एक भीषण आग लग गई। इस हृदयविदारक अग्निकांड में अब तक लगभग 100 दुकानों के जलने की सूचना है, जिससे करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।घटना के बाद दमकल विभाग की सैकड़ों गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं और कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। लेकिन इस भीषण हादसे में पुलिस प्रशासन की लापरवाही भी सामने आई है। आग बुझने और राहत एवं बचाव कार्य समाप्त होने के बाद पुलिस ने अपनी कार्रवाई खत्म कर दी थी, जबकि एक व्यक्ति की मौत की जानकारी उन्हें नहीं थी।

बुधवार यानी घटना के अगले दिन, जब लोगों ने राख के ढेर और धुएं से भरे क्षेत्र की सफाई शुरू की, तब थिनर गोदाम के पास से एक शव मिलने की सूचना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। मृतक की पहचान गया प्रसाद विश्वकर्मा (उम्र लगभग 60 वर्ष) के रूप में हुई है, जो थिनर गोदाम में कर्मचारी थे और कानपुर से सटे उन्नाव जिले के शुक्लागंज के रहने वाले थे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्हें तिवारी उपनाम से भी जाना जाता था। उनका एक बेटा और पत्नी है परिवार अभी इस दुखद घटना से गहरे सदमे में है।इस हादसे ने न केवल व्यापारियों की आजीविका पर गहरी चोट पहुंचाई है, बल्कि प्रशासनिक चूक को भी उजागर किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर राहत कार्यों के दौरान पूरी तरह से तलाशी ली जाती, तो शायद शव कल ही मिल सकता था व्यापारियों और स्थानीय निवासियों ने सरकार से मुआवजे और सख्त जांच की मांग की है,

ताकि इस प्रकार की घटनाएं भविष्य में न हों। वहीं, प्रशासन की ओर से जांच के आदेश दिए गए हैं और यह देखा जा रहा है कि आग लगने का कारण क्या था — शॉर्ट सर्किट, थिनर जैसी ज्वलनशील सामग्री, या कोई और वजह।यह घटना एक बार फिर आग से सुरक्षा के मानकों और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर सवाल खड़े करती है।

श्री ओमर वैश्य एम0पी0 पब्लिक स्कूल का रिजल्ट शत प्रतिशत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सीबीएसई रिजल्ट में कानपुर के कई स्कूलों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। श्री ओमर वैश्य एम0पी0 पब्लिक स्कूल के कक्षा 12 के राघव शर्मा (93त्न), प्रेरणा भारती (92त्न) व श्रेया तिवारी (90त्न), कक्षा 10 के सूफियान (96त्न), शाम्भवी (93त्न) व मरियम खान (88त्न) ने सर्वाधिक अंको के साथ विद्यालय का मान बढ़ाया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा ।

विन्यास पब्लिक स्कूल में चमका सत्यमबिहार का होनहार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर कल्यानपुर आवास विकास सत्यम बिहार निवासी आलोक कुमार त्रिवेदी के बेटे ने अपनी मेहनत और लगन से न सिर्फ अपने परिवार का, बल्कि विन्यास पब्लिक स्कूल का भी नाम रोशन कर दिया है।वह चौबेपुर क्षेत्र स्थित इस प्रतिष्ठित स्कूल में कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में 91.2त्न अंक लाकर शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉपर्स की सूची में शामिल हुआ। उसकी सफलता से स्कूल प्रशासन, शिक्षकों और क्षेत्रीय लोगों में गर्व की भावना है।

छात्र की माता रानू त्रिवेदी ने बताया कि उनके बेटे ने पूरी लगन और अनुशासन के साथ पढ़ाई की। उसकी

दिन-रात की मेहनत आज रंग लाई है। उन्होंने यह भी कहा कि बेटे की यह उपलब्धि आने वाले समय में और बेहतर मुकाम हासिल करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

ग्राम सभा की जमीन पर दबंगों का कब्जा, हाईकोर्ट के चक्कर काट रहे प्रधान जी

चिन्हित जमीन पर होनी थी राशन की दुकान, भू-माफियाओं ने किया कब्जा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला कानपुर देहात की ग्राम पंचायत जुयनिया में ग्राम सभा की सार्वजनिक उपयोग की जमीन पर सरकारी राशन की दुकान निर्माण की योजना बनाई गई थी। लेखपाल महरूप सिंह द्वारा मौके पर पैमाइश कराकर चिन्हांकन और जियोटैगिंग भी कर दी गई थी। यह ज़मीन तीन गांवों के मध्य स्थित है, जिससे तीनों गांवों की जनता को सीधे लाभ मिलना था। ग्राम प्रधान ने जेसीबी से गड्ढे खुदवाकर निर्माण कार्य शुरू भी करा दिया था, लेकिन तभी कुछ स्थानीय दबंगों ने इस भूमि पर कब्जा करने की कोशिश शुरू कर दी।

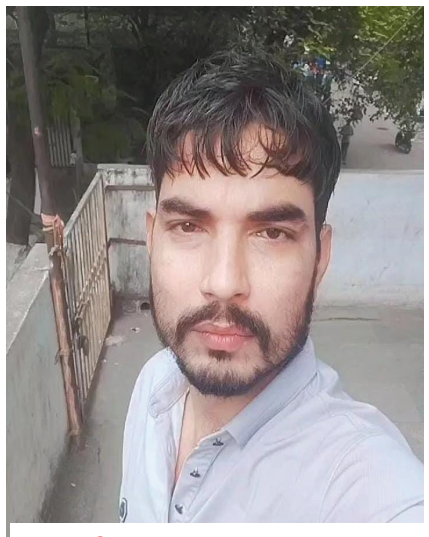

जमीन का सौदागर लवकुश

जब प्रधान ने इसका विरोध किया तो उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। प्रधान ने इस संबंध में तहसीलदार पवन सिंह से कई बार शिकायतें कीं, लेकिन हर बार सिर्फ जांच का आश्वासन ही मिला। दबंग भू-माफियाओं ने आखिरकार सात बिस्वा जमीन पर पक्की बाउंड्री खड़ी कर दी और निर्माण रुकवा दिया गया।

तहसीलदार पर मिलीभगत का आरोप मिले भ्रष्टाचार के संकेत

प्रधान ने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायतों के बावजूद अकबरपुर तहसील प्रशासन ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे भू-माफिया को कब्जा पूरा करने का मौका मिल गया।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बार-बार अधिकारियों को अवैध कब्जों पर रोक लगाने का निर्देश दिए जाने के बावजूद तहसील के जिम्मेदारों का यह लापरवाह रवैया ग्रामीणों में आक्रोश फैला रहा है। ग्राम प्रधान का कहना है कि जिस जमीन पर जियो टैग किया गया था, वही कब्जा हो गया, अब जनता को मिलने वाली सरकारी सुविधा अधर में लटक गई है। प्रधान ने इस मामले में तहसीलदार पर भू-माफियाओं से मिलीभगत का भी आरोप लगाया है और अब न्याय के लिए हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी है। यह सवाल खड़ा करता है कि जब एक चुना हुआ जनप्रतिनिधि ही जमीन नहीं बचा पा रहा, तो आम जनता की सुरक्षा कौन करेगा?

स्वराज इंडिया की खबर पर जागा पीडब्ल्यूडी, सड़क की कराई मरम्मत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। ब्लाक मलासा के मोहम्मदपुर गांव को जोड़ने वाली 850 मीटर लंबी सड़क पर आठ लाख रुपये खर्च कर हाल ही में मरम्मत की गई थी, लेकिन मात्र एक महीने में ही सड़क जगह-जगह से उखड़ गई और गड्ढों में तब्दील हो गई।इस घोर लापरवाही और भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए स्वराज इंडिया ने गुरुवार को प्रकाशित अपने अंक (पेज नंबर 9) में प्रमुखता से यह खबर प्रकाशित की थी। खबर का असर ये हुआ कि लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता हेमंत कुमार सिंह ने तत्काल संज्ञान लेते हुए ठेकेदार को नोटिस जारी कर सख्त फटकार लगाई और सड़क की फिर से जांच व मरम्मत के निर्देश दिए।अवर अभियंता राजेश कुमार की निगरानी में दोबारा मरम्मत कार्य कराया गया। अधिशासी अभियंता हेमंत कुमार सिंह ने बताया कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोबारा न हो, इसके लिए ठेकेदार को सख्त चेतावनी दी गई है।

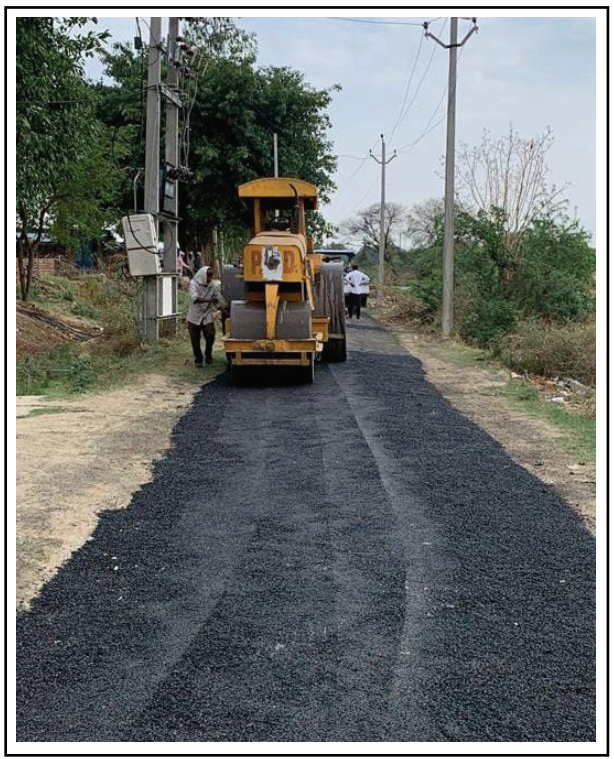

'सरकारी मरम्मत या मज़ाक?'

» मरम्मत के नाम पर पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों का चल रहा खेल

बजरी बता रही सिस्टम का सड़ा सच!

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात । ब्लॉक मलासा स्थित मोहम्मदपुर गांव को जोड़ने वाली सड़क की मरम्मत पर सात से आठ लाख रुपये खर्च किए गए थे।850 मीटर लंबे इस सड़क खंड को हाल ही में लोक निर्माण विभाग द्वारा मरम्मत किया गया, लेकिन महज एक महीने के भीतर ही सड़क जगह-जगह से उखड़ने लगी और गड्ढों में तब्दील हो गई। इससे साफ जाहिर होता है कि निर्माण कार्य में मानक और गुणवत्ता की अनदेखी की गई। प्रदेश सरकार भले ही सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का दावा कर रही हो, लेकिन ज़मीनी हकीकत इसके ठीक उलट है।

जिम्मेदार अधिकारी बोले कराई जाएगी जांच-

जब इस मामले को लेकर अधिशासी अभियंता हेमंत कुमार सिंह से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि उन्हें इस सड़क की दुर्दशा की जानकारी नहीं है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कराई जाएगी और अगर ठेकेदार की लापरवाही सामने आती है तो उस पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

निरीक्षण पर पहुंचे डीएम, सलेमपुर सीएचसी और राजपुर पीएचसी की खुली पोल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर, राजपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक्स-रे मशीन ऑपरेटर के अभाव में बंद पाई गई, जिस पर उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को तुरंत ऑपरेटर नियुक्त कर मशीन चालू कराने के निर्देश दिए। साथ ही, सीएचसी परिसर में खाली पड़े आवासों के रखरखाव और उनमें कर्मचारियों को रखने के निर्देश भी दिए गए। डीएम ने स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने वाले मार्ग की स्थिति की जानकारी लेकर नगर पंचायत अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीएचसी में एमबीबीएस डॉक्टर की अनुपस्थिति पर भी नाराजगी जताई गई और जल्द नियुक्ति के आदेश दिए गए।

» निरीक्षण के दौरान एक्स-रे मशीन ऑपरेटर के अभाव में बंद पाई गई

» सरकारी अस्पतालों में मरीजों को मिलने वाली सुविधाएं बेहाल

इमरजेंसी सेवाएं ठप, ओपीडी सीमित
डीएम ने जताई नाराजगी

निरीक्षण के दूसरे चरण में जिलाधिकारी ने राजपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी जायज़ा लिया।

यहां उन्होंने मरीजों की संख्या, ओपीडी और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली।

पता चला कि प्रतिदिन 10-15 मरीज ही आते हैं और इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध न होने के कारण मरीजों को रेफर करना पड़ता है। जिलाधिकारी ने कूल रूम का निरीक्षण कर एसी की व्यवस्था कराने व ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट को जल्द पूर्ण रूप से संचालित करने के निर्देश दिए।

क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा एमबीबीएस डॉक्टर की नियुक्ति और अल्ट्रासाउंड सेंटर की मांग पर भी डीएम ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

रूरा ओवर ब्रिज पर आज से 7 दिनों तक वाहनों के आवागमन पर रहेगी रोक

» भार वाहन क्षमता सहन करने की होगी जांच शुरू

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। रूरा कस्बा में बने रेलवे ओवरब्रिज कि भार वाहन क्षमता की जांच की जाएगी । 7 दिनों तक नहीं चलेगा ओवरब्रिज पर कोई भी वाहन । व्यापारी और ग्रामीणों को उठाने पड़ सकती है मुसीबत।

इस ओवरब्रिज पर सभी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है । इस संबंध में डीएफसी के मुख्य महाप्रबंधक एसडीएम को पत्र भेजा गया है । जिसमें 14 मई से 20मई तक ओवरब्रिज को बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। 7 दिन तक ओवरब्रिज बंद रहने के दौरान विकल्प मार्ग की व्यवस्था की गई है । छोटे वाहन वैकल्पिक अंडरपास के माध्यम से आसानी से आवागमन कर सकते हैं । माल वाहक वाहन अकबरपुर रनिया मैंथा मार्ग से आसानी पूर्वक जा सकते हैं। सिठमरा झींझक की ओर जाने के लिए इंजॉय रामपुर के अंडरपास से छोटे वाहन डेरापुर के लिए निकलेंगे।

पानीपत से पाक जासूस गिरफ्तार

» सोशल मीडिया के जरिए भेजता था खुफिया जानकारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद चल रहे तनाव के बीच हरियाणा के पानीपत के सेक्टर-13/17 क्षेत्र से सीआईए ने एक पाकिस्तानी जासूस को पकड़ा है।पकड़ा गए जासूस का नाम नौमान इलाही है,वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कैराना का रहने वाला है।वह पाकिस्तान में किसी इकबाल नाम के आतंकी के टच में था। वह उसे देश से जुड़ी खुफिया जानकारी वॉट्सऐप व अन्य सोशल मीडिया ऐप के जरिए पहुंचा रहा था।पानीपत पुलिस की जांच के मुताबिक नौमान पिछले काफी समय से पानीपत में अपनी बहन के पास रह रहा था।यहां रह कर वह देश विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा।यहां से वह पाकिस्तान में इकबाल नाम के आतंकी को देश की सभी बातों को वॉट्सऐप व अन्य सोशल मीडिया ऐप के जरिए पहुंचा रहा था।

पानीपत पुलिस की जांच में सामने आया कि मूल रूप से शामली जिले में कैराना के मोहल्ला बेगमपुरा का रहने वाला नौमान इलाही की उम्र 24 साल है। उसकी बहन जीनत की शादी पानीपत में हुई है,जिसके बाद वह भी बहन के पास पानीपत की हॉली कॉलोनी में रहने लगा। इस दौरान पहले उसने सेक्टर 29 की एक फैक्ट्री में काम किया।इसके बाद वह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के रहने वाले रजनीश तिवारी नाम के व्यक्ति के संपर्क में आया। रजनीश एक सिक्योरिटी एजेंसी चलाता है।उसके माध्यम से जासूस पानीपत की सेक्टर 29 स्थित एक कंबल फैक्ट्री में बतौर सिक्योरिटी गार्ड नौकरी करने लगा,जिसके बाद वह यहां रहकर वह देश की हर एक छोटी-बड़ी मूवमेंट के बारे में दुश्मन देश पाकिस्तान को बताने लगा।

शुरुआती पूछताछ में नौमान ने पुलिस को बताया कि उसके पिता अहसान इलाही और माता कोसर बानो की करीब 5 साल पहले मौत हो चुकी है। वह करीब 4 महीने पहले ही पानीपत आया था। हालांकि वह पिछले काफी समय से पाकिस्तान के आतंकियों के संपर्क में है। जोकि पाकिस्तानी खुफिया आपरेटिव (पीआईओ) को अपने नंबर से ही सारी जानकारियां दे रहा था।

हरियाणा के एडीजी (क्राइम) कुलदीप यादव ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि आरोपी से पूछताछ में सामने आया है कि वह एक लंबे समय से पाकिस्तान के एक हैंडलर के संपर्क में था।उसके पास से जब्त मोबाइल फोन और डिजिटल सामग्री की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। इसके अलावा यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह किन सरकारी संस्थानों और ठिकानों की जानकारी साझा कर चुका है।

एडीजी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन,एक लैपटॉप और कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं। प्रारंभिक जांच में कई सुराग हाथ लगे हैं और आशंका है कि उसका संबंध एक बड़े नेटवर्क से हो सकता है।जांच एजेंसियां अब इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पहलू के तहत गंभीरता से ले रही हैं। आरोपी के पिछले संपर्कों और गतिविधियों की कड़ी निगरानी की जा रही है।

पाकिस्तान का सपोर्ट करके तुर्किए और अजरबैजान फंसे बुरे

» यूपी वालों ने सिखाया सबक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ।ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान पूरा विश्व भारत के साथ खड़ा नजर आया,लेकिन तुर्किए और अजरबैजान ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया।पाकिस्तान ने भारत पर आत्मघाती हमला करने के लिए तुर्किए में बने ड्रोन का इस्तेमाल किया।अब तुर्किए अज़रबैजान के खिलाफ भारत के लोगों में भारी गुस्सा और रोष है।इन देशों में जाने वाले हजारों भारतीयों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं,जिससे इनके पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान पहुंच रहा है।बीते दिनों पहले सिंगर विशाल मिश्रा ने भी इन दोनों देशों में ना जाने और कॉन्सर्ट न करने की कसम खाई थी।

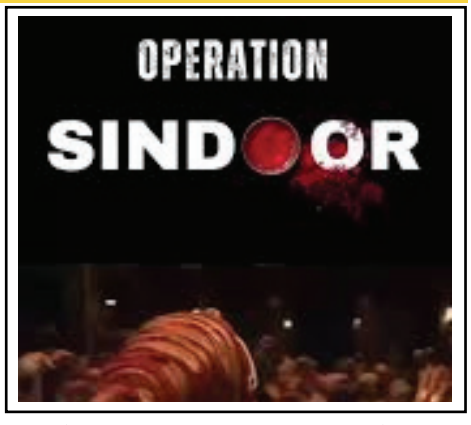

मिली जानकारी के मुताबिक पिछले तीन दिनों में सिर्फ पूर्वांचल से 15000 से ज्यादा पर्यटकों ने अपना टिकट कैंसिल करा लिया है,पिछले साल 37500 लोगों ने इन दोनों देशों की यात्रा की थी,अभी तो तीन दिन का ही ये आंकड़ा है,उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में ये संख्या 25 हजार से 30 हजार के बीच जा सकती है।सबसे बड़ी बात तो ये है कि कॉक्स एंड किंग्स, एसओटीसी और इज माय ट्रिप जैसी ट्रैवेल कम्पनियां और एयर इंडिया सहित कई एयरलाइन्स कंपनी कोई कैंसिलेशन चार्ज भी नही ले रही हैं।वाराणसी,गोरखपुर, आजमगढ़,मऊ श्रावस्ती और बहराइच से ज्यादा लोग तुर्किए और अज़रबैजान की यात्रा पर जाते हैं। तुर्किए और अजरबैजान से लगभग दस हजार से ज्यादा पर्यटक वाराणसी आते हैं।

ऑपरेशन सिन्दूर का असर वहां से आने वाले पर्यटकों पर कैसा पड़ा ये टूरिज्म सीजन में ही पता चलेगा, जो कि अक्टूबर से मार्च के बीच होता है।तुर्किए और अज़रबैजान की जीडीपी का दस फीसदी हिस्सा पर्यटन से आता है।अजरबैजान में तो सत्तर फीसदी पर्यटक भारत से जाते हैं,अजरबैजान की राजधानी बाकू बहुत तेजी से बैंकाक की जगह लेते जा रहा है। पाकिस्तान का साथ देने की कीमत टर्की से ज्यादा अजरबैजान को चुकानी पड़ेगी।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

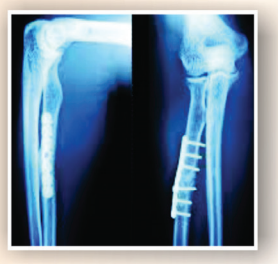

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333

हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

पूर्व ब्लाक प्रमुख के पुत्र ने सीबीएसई बोर्ड में लहराया परचम

» शौर्य प्रताप सिंह ने अपनी कड़ी मेहनत व लगन के दम पर सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल लखनऊ से इंटरमीडिएट की परीक्षा में 96त्न अंक प्राप्त किए

स्वराज इंडिया संवाददाता

त्रिवेदीगंज (बाराबंकी)। सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट के आए परीक्षा परिणाम में थाना लोनी कटरा क्षेत्र के ककरी गांव निवासी पूर्व ब्लाक प्रमुख सुनील सिंह के पुत्र शौर्य प्रताप सिंह ने अपनी कड़ी मेहनत व लगन के दम पर सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल लखनऊ से इंटरमीडिएट की परीक्षा में 96त्न अंक अर्जित कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। मेधावी छात्र शौर्य प्रताप सिंह की सफलता से उन्हें बधाई देने वालों का सिलसिला लगातार जारी है।

शौर्य प्रताप सिंह की सफलता पर चाचा एवं ग्राम प्रधान ककरी सचिन सिंह प्रधान अभय प्रताप सिंह युवा नेता अतुल सिंह रावत मनोज सिंह वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण कुमार द्विवेदी राजू भैया, प्रधान जितेंद्र प्रताप सिंह सोनू प्रधान गौरव सिंह प्रधान आसाराम वर्मा प्रधान अजय प्रताप सिंह प्रधान कुंवर रामानंद सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मी नारायण साहू मनोज सिंह पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजकुमार सिंह युवा नेता राहुल सिंह चौहान राम अनुज चौरसिया सहित बड़ी संख्या में लोगों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

शौर्य प्रताप सिंह

मामूली बात पर खून के प्यासे हो गए साले बहनोई

» भूसे की सौदे बाजी को लेकर साले बहनोई में विवाद हो गया

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। घुंघटेर कोतवाली के ददेरा गांव में मंगलवार की देर शाम खेत में रखे भूसे की सौदे बाजी को लेकर साले बहनोई में विवाद हो गया। इससे गुस्साये बहनोई ने पिकअप अपने साले पर चढ़ा दिया। इस घटना से घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। मौके पर भीड़ जुट गई। घटना के बाद आरोपी पिकअप लेकर मौके से फरार हो गया है। लोगों ने घायल के सिर पर चोट आने से उसे सीएचसी घुंघटेर में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर डाक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित के बयान लिया है। हालांकि अभी पीड़ित पक्ष की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है।

भूसे की कीमत नहीं देने पर हुआ विवाद

घुंघटेर कोतवाली के ददेरा गांव निवासी किसान विनोद कुमार के खेत में भूसे का ढेर लगा हुआ था।

उसने अपने लखनऊ के अमानीगंज निवासी जीजा प्रमोद से भूसा बिक्री की बात की थी। मंगलवार की देर शाम को प्रमोद पिकअप लेकर ददेरा गांव में अपने साले के खेत पर भूसा की उठान करने पहुंचा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि दिनदहाड़े खेत में भूसे का लदान पूरा कराने के बाद प्रमोद बिना पैसे दिए ही वहां से जाने लगा। जब विनोद ने उसे रोकने का प्रयास किया, तो दोनों में तीखी बहस हो गई। कुछ ही देर में प्रमोद ने पिकअप को रिवर्स में चढ़ाया और विनोद को धक्का मार दिया। जिससे वह जमीन पर गिर गया। बाद में वाहन के आगे से गुजरते हुए उससे टकरा गया। आसपास मौजूद ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचते ही दहशत में आ गए।

जिला अस्पताल किया गया रेफर

इस घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीणों ने मिलकर तुरंत सीएचसी घुंघटेर लाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टरों का कहना है कि सिर पर गंभीर इंजरी आई है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

घायल ने कहा चढ़ाई गई पिकअप

घटना की जानकारी मिलने पर परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए हैं। घायल का कहना है कि हमला जान बूझकर किया गया था। विपक्षी ने उसपर पिकअप चढ़ाई है। प्रभारी निरीक्षक बेचू सिंह यादव ने बताया कि इस संबंध में अभी तक कोई लिखित शिकायत पुलिस को नहीं मिली है।

घायल का अस्पताल में उपचार चल रहा है। सिर पर चोटें डंडे से प्रहार की तरह लग रही हैं। तहरीर मिलने के बाद ही उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सूखे तालाब मांग रहे पानी, सिस्टम बेमानी

» ग्राम पंचायत कतुरी कला में अधिकतर तालाब सूखे पड़े हैं

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा (बाराबंकी)। विकास खंड निंदूरा में गर्मी के प्रकोप बढ़ने के साथ जल संकट की समस्या गंभीर हो गई है। ग्राम पंचायत कतुरी कला में अधिक तर तालाब सूखे पड़े है। जिसके कारण पशु-पक्षियों को पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। मनरेगा योजना के तहत लाखों रुपए खर्च कर तालाबों की खुदाई और सुंदरीकरण का काम कराया गया था। लेकिन अब इन तालाबों में पानी नहीं है ग्राम पंचायत कतुरी कला के गोल्लावीर बाबा स्थिति तालाब की कई वर्षों पूर्व मनरेगा के तहत खुदाई की गई थी। इस तालाब में पशु-पक्षियों के पीने का पानी नहीं है। स्थानीय ग्रामीण राजेश कुमार,मुन्नीलाल,आलोक कुमार,राहुल यादव,महेश यादव,विजय यादव आदि का कहना है कि इस तालाब में कई वर्षों से गर्मियों में पानी नहीं भराया गया है। जिसके कारण पशु-पक्षियों को पानी पीने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार क्षेत्र में दिन का तापमान 40-42एष्ट तक पहुंच जाता है। स्थानीय लोगों ने ग्राम प्रधान से कह कर तालाबों में पानी भरवाने की मांग की है।

यूपी में कनेक्टिविटी को नया आधार देगा उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर के विकास की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में अधिकांश राजमार्ग और एक्सप्रेसवे पूर्व-पश्चिम दिशा में केंद्रित हैं, ऐसे में अब आवश्यकता है कि नेपाल सीमा से लेकर प्रदेश के दक्षिणी छोर तक फैले जिलों को जोड़ने वाला एक सुदृढ़ उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर तैयार किया जाए। इस उद्देश्य से राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के अंतर्गत आने वाले हिस्सों में एनएचएआई का सहयोग लिया जाए और शेष मार्गों का निर्माण, सुदृढ़ीकरण तथा चौड़ीकरण राज्य स्तर पर कराया जाए। जहां आवश्यक हो, वहां ग्रीनफील्ड रोड परियोजनाएं प्रस्तावित की जाएं।

» नेपाल सीमा से लेकर प्रदेश के दक्षिणी छोर तक फैले जिलों को जोड़ने वाला एक सुदृढ़ उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर तैयार किया जाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कॉरिडोर न केवल उत्तर प्रदेश को मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों से जोड़ेगा, बल्कि सीमावर्ती जिलों में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा और समावेशी विकास सुनिश्चित करेगा। यह विचार उन्होंने मंगलवार को लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रस्तुत किया। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सामग्री, जैसे सीमेंट, सरिया आदि, यथासंभव उत्तर प्रदेश की इकाइयों से ही ली जाए, बशर्ते कि वे गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरती हों।

मुख्यमंत्री ने विभाग को यह सुनिश्चित करने को कहा कि वार्षिक कार्ययोजना बनाते समय प्रदेश के सभी जनपदों और विधानसभाओं को समवेत रूप से लाभ पहुंचे और विकास में असंतुलन की स्थिति उत्पन्न न हो। किसी भी परियोजना को प्रारंभ करने से पहले उसकी उपयोगिता, संभावित प्रभाव और स्थानीय जनता पर उसके असर का समुचित अध्ययन किया जाना चाहिए।

रिंग रोड और फ्लाईओवर के निर्माण पर विशेष ध्यान देने को कहा

मुख्यमंत्री ने शहरी क्षेत्रों में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए बाईपास, रिंग रोड और फ्लाईओवर के निर्माण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने कहा कि एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर निकायों में यातायात की सुगमता सुनिश्चित करने वाले निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जाए, जिससे लोगों को जाम की समस्या से मुक्ति मिल सके। साथ ही, उन्होंने सड़क सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि इस विषय में परिवहन, लोक निर्माण और पुलिस विभाग को एकजुट होकर कार्य करना होगा।

उन्होंने सुझाव दिया कि स्पीड ब्रेकर टेबल टॉप डिज़ाइन में बने, सभी प्रमुख मार्गों पर साइनेज और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, और राज्य मार्गों को न्यूनतम 10 मीटर चौड़ा किया जाए।

बिना अनुमति विदेश गए गुरुजी तो होगी कार्यवाही

» 20 मई से 15 जून तक के लिए बंद हो जाएंगे, कई शिक्षक बिना बताए चले जाए विदेशी यात्रा पर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/लखनऊ। परिषदीय विद्यालय 20 मई से 15 जून तक के लिए बंद हो जाएंगे। इससे पहले बीएसए ने सभी विद्यालयों के शिक्षकों से कहा है कि जो भी विभागीय पेंडिंग कार्य हैं उन्हें स्कूल बंद होने से पहले पूर्ण कर लिया जाए। बीएसए ने इस संबंध में बीईओ को भी निर्देशित किया है। ऐसे में अगर कोई शिक्षक विदेश घूमने जाना चाहता है तो वह इसके लिए विभाग से अनुमति जरूरी प्राप्त कर ले क्योंकि बिना विभागीय अनुमति के विदेश घूमने गये तो सख्त कार्यवाही की जायेगी। इस संबंध में सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों और खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गये हैं। किसी भी जनपद में बिना अनुमति के कोई भी शिक्षक विदेश जाता है और उसके साक्ष्य मिलते हैं तो सख्त कार्यवाही होगी। अधिकारियों ने कहा स्कूलो में यदि ग्रीष्मावकाश है तो भी अनुमति लेना जरूरी होगा। नियम के मुताबिक शिक्षक हो या कर्मचारी किसी को भी विदेश

जाने के लिए पहले बीएसए के पास आवेदन करना होता है। उसके बाद बीएसए बीईओ से रिपोर्ट लेते है फिर बीएसए विदेश जाने की अनुमति के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के सचिव के पास फाइल भेजते है फिर सचिव ही शिक्षकों को विदेश जाने की अनुमति देते हैं। अगर कोई शिक्षक बिना अनुमति के विदेश जाता है तो उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही होती है।

इस बार पकड़े गये तो दर्ज होगा सर्विस बुक पर रिकॉर्ड- मौजूदा समय में सभी सरकारी विद्यालयों में ग्रीष्मावकाश होने वाला है। इस बार यदि कोई शिक्षक बिना अनुमति के विदेश गया तो उसे अनुशासनहीनता माना जायेगा और रिकॉर्ड मानव संपदा पोर्टल पर निहीत सर्विस बुक पर भी चढ़ाया जायेगा।

इस तरह मिलती है अनुमति-

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अगर किसी शिक्षक को विदेश जाना है तो पहले वह बीएसए के पास आवेदन करे क्योंकि वही उसका नियुक्ति प्राधिकारी होता है। उसके बाद बीईओ से शिक्षक की कार्यशैली की जांच कराई जाती है फिर सचिव परिषद को फाइल भेज दी जाती है। फिर सचिव पर निर्भर रहता है कि वह विदेश जाने की अनुमति देते हैं कि नहीं इसलिए अनुमति लेने से डरते हैं शिक्षक। अनुमति मिलने के बाद भी शिक्षक पर नो वर्क नो सैलरी का फॉर्मूला लगाया जाता है। ऐसे में शिक्षक अपना वेतन कटने के डर से गुपचुप वाला रास्ता अपनाते हैं। इस बारे में अभी तक कई अलग-अलग जनपदों में कई शिक्षकों पर कार्यवाही हो चुकी है।